परामर्श प्रमुख

श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद

श्री प्रदीपकुमार जैन, रायपुर

प्रधान संपादक

सिंघई राजेन्द्र जैन 'बागो', 9424013136

सह संपादक

श्रीमती अनुपमा-रजनीश जैन, 9009066884

श्रीमती साधना-सुनील जैन, 8602696165

श्री विशाल जैन, 9453167716

कोषाध्यक्ष

सुधेशकुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक

राजेन्द्रकुमार जैन, सायकलवाले 9425353972

खुशालचंद जैन, 9302123879

कोमलचंद जैन, 9329524227

संयोजक एवं प्रकाशक

बाहुबली जैन, 9827247847

सहयोगी सदस्य

श्री निर्मलकुमार जैन, विदिशा

आजीवन सदस्य

श्री राजेन्द्र कुमार जैन, पिछोर

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/-
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/-
संरक्षक (अ.जा.)	5100/-
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/-
सहयोगी सदस्य (10 वर्ष)	1100/-

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855 IFSC Code: SBIN0030134 में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड व कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।

विज्ञापन दर (कलर)

अंतिम पेज	15000/-
फुल पेज (अंदर)	11000/-
1/2 पेज	5000/-
1/4 पेज	3000/-
मांगलिक बधाई फोटो सहित	2000/-
शोक संदेश फोटो सहित	1000/-

गोलालारीय समाज, इन्दौर के लिए गौरवशाली एवं अविस्मरणीय दिवस

इन्दौर, अनुपमा जैन । दिनांक 1 जून से गोलालारीय समाज द्वारा दो जिनालयों का संचालन किया जायेगा, यह हमारे लिए गर्व का दिन हैं लगभग 40 वर्ष पूर्व गोलालारीय समाज के तत्कालीन संगठन ने 64 न्यू देवास रोड पर प्रथम जिनालय की रुपरेखा रखी थी, जहां आज 1008 श्री शांतिनाथ मंदिर के साथ गोलालारीय समाज न्यास व उससे जुड़ी सभी संस्थाओं का प्रमुख कार्यालय भी है ।

समाज के कुमेड़ी स्थित लॉर्ड आदिनाथ कॉलोनी में 1008 श्री आदिनाथ भगवान के जिनालय में अस्थाई वेदी व जिनबिम्ब स्थापना का दो दिवसीय भव्य समारोह 31 मई व 1 जून 2022 को हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न हुआ। संत शिरोमणि परम पूज्य 108 आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद व पंडित रतन जी शास्त्री जी के निर्देशन तथा बा. ब्र. अनिल भैया एवं अभय भैया 'आदित्य' के परम सानिध्य में यह महोत्सव साआनंद संपन्न हुआ। प्रथम दिवस 31 मई को गोलालारीय समाज न्यास के प्रमुख मंदिर 1008 श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, न्यू देवास रोड़ से 1008 श्री आदिनाथ भगवान की प्रतिमा सविनय नवीन मंदिरजी में अस्थाई रुप से विराजमान करने की मंगल भावना को धारण कर भव्य घटयात्रा के साथ श्री राम एनक्लेव से लॉर्ड आदिनाथ कॉलोनी में आगमन हुआ जिसमें समाजजनों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

नवीन जिनालय में महोत्सव का ध्वजारोहण समाज के स्थाई ट्रस्टी श्री रमेशचंद-प्रभा जैन, श्री नरेश-कल्पना जैन परिवार द्वारा किया गया, मंदिर जी में प्रथम प्रवेश श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास के सचिव श्री बाहुबली-निशा जैन एवं डॉ. शैलेन्द्र जैन, श्री विकास व श्री पवनकुमार जैन द्वारा किया गया। अभिषेक, पूजन पश्चात महोत्सव के मुख्य पात्रों का चयन बा. ब्र. अभय भैया आदित्य के कुशल नेतृत्व में किया गया -

* सौधर्म इन्द्र श्री योगेश-अनीता जैन, स्कीम 78, * ईशान इन्द्र - श्री कोमलचंद-पुष्पा जैन, महावीर नगर * सानत इन्द्र - श्री विमलकुमार - मुन्नीदेवी जैन, क्लर्क कॉलोनी, * माहेन्द्र इन्द्र - श्री अभिनय-सूर्या जैन, कालिंदी कुंज, श्री जिनेन्द्र-मंजू जैन 'पप्पी', परदेशीपुरा * महायज्ञ नायक - श्री अशोक-रेखा जैन, नंदा नगर के साथ सभी धार्मिक क्रियाएं सानन्द संपन्न हुई ।

दोपहर को यागमंडल विधान में समाजजनों ने उत्साह पूर्वक अपनी सहभागिता निभायी । सांय 7.30 पर श्री सुधेश जैन ने 48 दीपों के साथ संगीतमय भक्तामर पाठ के वाचन ने सबको भाव विभोर कर दिया ।

आयोजन के दूसरे दिन 1 जून को सुबह अभिषेक, शांतिधारा के पश्चात अस्थाई वेदी पर 1008 श्री आदिनाथ भगवान की प्रतिमा को विराजमान किया। तत्पश्चात श्री शांतिनाथ विधान व हवन की क्रियाएं हर्षोल्लास पूर्वक सम्पन्न हुई। अस्थाई वेदी पर 1008 श्री आदिनाथ भगवान की प्रतिमा विराजमान करने का सौभाग्य सौरभ चंद्रकुमार-पुष्पा जैन, एम.आई.जी. को प्राप्त हुआ। वेदी पर प्रथम शांतिधारा का सौभाग्य भी सौरभ चंद्रकुमार जैन व मनोज शीलचंद जैन परिवार को मिला। तत्पश्चात छत्र चंवर के लिए श्री अशोककुमार जैन कालानी नगर, श्री अंकलक कैलाशचंद जैन, उज्जैन व डॉ. समीर जैन तिलक नगर द्वारा चांदी के छत्र चंवर भेंट किए गए। अष्ट प्रतिहार्य व अन्य नित्य पूजन सामग्री भेंट करने के लिए समाजजनों ने बढ़-चढ़कर सहयोग प्रदान किया।

ज्ञातव्य हो, कि नवीन मंदिर निर्माण में श्री रमेशचंद्र-प्रभा जैन व नरेश-कल्पना जैन परिवार द्वारा वेदी निर्माण व शिखर निर्माण में विशेष सहयोग किया है। इसके साथ ही 1008 आदिनाथ भगवान की मूल प्रतिमा के लिए इंजी. आनंदकुमार-कल्पना व भरतेश-पूर्णिमा जैन व धातु की 12 प्रतिमाओं के लिए श्री चंद्रकुमार जैन, श्री प्रियंक जैन, श्रीमती कल्पना जैन 'बागो', डॉ. समीर जैन, श्री राजेश जैन गुरू कृपा कालोनी, श्री राजेन्द्रकुमार जैन (साइकल वाले) डॉ. रुपेश मोदी, श्री अशोककुमार जैन नंदानगर, श्री गौरव जैन मुम्बई, श्री शीलचंद जैन अहमदाबाद, श्री नरेश जैन, श्रीमती चंदा पंचरतन का सहयोग मिला है। 2018 में भूमि पूजन का सौभाग्य डॉ. रुपेश हेमचन्द्र मोदी परिवार द्वारा किया गया। उसी दिन से इस मंदिर को भव्य बनाने में अपना विशिष्ट योगदान देने वाले श्री बाहुबली जैन व श्री कोमलचंद जी जैन के अथक प्रयासों को इन्दौर समाज सदैव याद रखेंगा । आगामी योजनाओं में इस मंदिर के साथ जैन युवकों के लिए होस्टल निर्माण का कार्य भी चल रहा है जिसमें ठहरने व भोजन की व्यवस्था रहेगी। मंदिर प्रांगण में समाज के जो भी श्रावक कोई भी धार्मिक आयोजन करना चाहेंगे उनके लिए भोजन की व्यवस्था कराने का भी प्रयास भी किया जा रहा हैं, यह योजना दिवाली तक मूर्तरुप लेने की संभावना है।

समारोह के अंत में समाज के स्थाई ट्रस्टी श्री रमेशचंद जैन, इंजी. आनंदकुमार जैन, श्री खुशालचंद जैन, श्री राजेन्द्र जैन 'बागो', समाज अध्यक्ष श्री कोमलचंद जैन व सचिव श्री बाहुबली जैन, कोषाध्यक्ष श्री राजेन्द्रकुमार जैन व डॉ. रुपेश मोदी ने बा. ब्र. अभय भैया 'आदित्य' का सम्मान किया। इस अवसर पर डॉ. रुपेश मोदी जी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बा. ब्र.अभय भैया जी का समाज के प्रति स्नेह व सहयोग का जो ऋण हैं, उसे हम आजीवन भूला नहीं सकेंगे। उन्होंने समाजजनों का आभार व्यक्त कर आव्हान किया कि इसी प्रकार के सहयोग की भावना के साथ हमें पंचकल्याणक महोत्सव को भी सफल बनाना है ।

इस मंगल अवसर पर नगर के पंचबालयति मंदिर से ब्रह्मचारी श्री सुरेश भैया, वरिष्ठ समाजसेवी श्री हंसमुख गांधी, पुलक चेतना मंच के श्री प्रदीप बडज़ात्या, गुमास्ता नगर अध्यक्ष श्री प्रतिपाल टोंग्या, परदेशीपुरा समाज अध्यक्ष एड. अरविन्द कुमार जैन, सुखलिया समाज अध्यक्ष श्री विनोद जैन, अहिंसा सोशल गुप्र अध्यक्ष श्री संजय जैन व क्लर्क कालोनी मंदिर अध्यक्ष नवीन गोधा, विस्तारा मंदिर, शिखरजी ड्रीम्ज़, महालक्ष्मीनगर मंदिर , गोलालारीय महिला मंडल, भक्तामर मंडल व विजयनगर मंदिर से अनेक श्रावकों सहित समाज के अनेक वरिष्ठ सदस्य श्री खुशाल चंद जी,श्री सुरेश चंद जी, श्री नवीन कुमार पंचरतन जी, श्री सुगनचंद जैन, श्री प्रकाशचंद जैन आदि अनेक श्रावकों ने पूर्ण भक्ति भाव से पूजा अर्चना कर पुर्ण्याजन किया। अनेक श्रावकों ने नवीन मंदिर जी में उपयोग में आने वाली अनेक वस्तुओं के लिए चंचला लक्ष्मी के दान की घोषणा कर पुर्ण्याजन किया।